हिन्दुस्तान, पटना, 1 सितंबर, 2016

आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्रों में चलेगा अभियान

पटना। राज्य के आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्रों में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) और स्वास्थ्य विभाग संयुक्त रूप से काम करेंगे। दोनों विभाग लोगों को आर्सेनिक मिश्रित पानी पीने से रोकने का अभियान चलाएंगे। स्वास्थ्य विभाग ऐसे क्षेत्रों में शिविर लगाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच करेगा। इस अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को भी जोड़ा जाएगा।

यह फैसला बुधवार को पीएचईडी में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव जीतेंद्र श्रीवास्तव भी उपस्थित थे। पीएचईडी की प्रधान सचिव अंशुली आर्या के मुताबिक लोगों को आर्सेनिक से होने वाले रोगों से बचाव के लिए कई कदम उठाए जाएंगे। पीएचईडी लोगों को सरकार द्वारा लगाए गए गहरे बोर वाले हैंडपंप का पानी पीने के लिए प्रेरित करेगा। स्वास्थ्य विभाग ऐसे क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाएगा। आर्सेनिक के दुष्प्रभाव को रोकने के लिए लोग क्या करें, इससे अवगत कराएगा। खाने में किन पोषक तत्वों को शामिल किया जाए, इसके प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। पीएचईडी के अभियंता प्रमुख डीपी सिंह की अध्यक्षता में ज्वाइंट वर्किंग ग्रुप का गठन किया गया है। इस दिशा में काम तेज करने के लिए बहुत जल्द टास्क फोर्स का गठन भी किया जाएगा।

आर्सेनिक प्रभावित जिलेः सारण, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, बक्सर, भोजपुर, पटना, बेगूसराय, खगड़िया, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर और कटिहार।